Credit Allocation and Marks Distribution for the FYUGP in Hindi (SEM V & VI)

Semester	Course Type	Course Code	Course Title	Credit	Total Marks
V	MAJ(TH)	UHINMAJ35009	हिन्दी उपन्यास Hindi Upanyas	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ35010	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा Bhasha Vigyan Evam Hindi Bhasha	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ35011	जनसंचार एवं पत्रकारिता Jansanchar Evam Patrakarita	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ35012	हिन्दी नाटक एवं एकांकी Hindi Natak Evam Ekanki	4	75
	MIN(TH)	UHINMIN30003	हिन्दी साहित्य का इतिहास(संपूर्ण) Hindi Sahitya Ka Itihas(Sampurna) (अन्य मेजर कोर्स के विद्यार्थियों के लिए)	4	75
	IARD		Internship	2	50
VI	MAJ(TH)	UHINMAJ36013	भारतीय काव्यशास्त्र Bhartiya Kavyashastra	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ36014	पाश्चात्य काव्यशास्त्र Pashchatya Kavyashastra	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ36015	कथेतर साहित्य Kathetar Sahitya	4	75
	MAJ(TH)	UHINMAJ36016	अस्मितामूलक विमर्श Asmitamulak Vimarsh	4	75
	MIN(TH)	UHINMIN30003	हिन्दी साहित्य का इतिहास(संपूर्ण) Hindi Sahitya Ka Itihas(Sampurna) (अन्य मेजर कोर्स के विद्यार्थियों के लिए)	4	75

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

पंचम सत्र

SEMESTER-V

MAJOR-9

हिन्दी उपन्यास
HINDI UPANYAS

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ35009	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- इस पत्र का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी उपन्यास के प्रति रुचि और संवेदनशीलता विकसित करना है ।
- उपन्यास के माध्यम से भाषा की विविधता, शैली, शब्दावली और व्याकरण की समझ को बढ़ाना।
- उपन्यासों के माध्यम से भारतीय समाज, परंपरा, संस्कृति, सामाजिक समस्याओं को समझना।
- उपन्यासों के कथानक, पात्र और भाषा की समीक्षा तथा विश्लेषण करने की क्षमता विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• हिन्दी उपन्यास की अवधारणा समझ पाएंगे। • उपन्यास की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे। • आगामी सत्र के व्यावहारिक पृष्ठभूमि की समझ बनेगी।
कौशल दक्षता संबंधी	• उपन्यास के बहुआयामी स्तर से विद्यार्थी अवगत होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- उपन्यास : विधागत परिचय
- हिन्दी उपन्यास : उद्भव और विकास

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **रंगभूमि :** प्रेमचंद

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **चित्रलेखा** : भगवतीचरण वर्मा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **दौड़** : ममता कालिया

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)
घटक	मध्यावधि परीक्षा	सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना	उपस्थिति	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रन्थ :

1. हिन्दी उपन्यास का विकास, मधुरेश, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी उपन्यास का विकास, गोपाल राय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी उपन्यास की परंपरा और प्रवृत्तियाँ, डॉ. नामवर सिंह
4. हिन्दी उपन्यास : स्वरूप और मूल्यांकन, डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी
5. हिन्दी उपन्यास : आलोचनात्मक अध्ययन, डॉ. नगेन्द्र
6. उपन्यास और वर्चस्व की सत्ता, वीरेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. उत्तरशती के उपन्यासों में स्त्री, डॉ. शशिकला त्रिपाठी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. उपन्यास और लोक-जीवन, रैल्फ फॉक्स, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. चित्रलेखा : एक आलोचनात्मक अध्ययन, डॉ. गिरीशचन्द्र श्रीवास्तव
10. प्रेमचंद और उसकी रंगभूमि, सुरेशचन्द्र त्रिपाठी

11. उपन्यास का काव्यशास्त्र, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली

12. हिन्दी उपन्यास एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली

13. उपन्यास का पुनर्जन्म, परमानन्द श्रीवास्तव, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

14. उपन्यास स्वरूप और संवेदना, राजेन्द्र यादव, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR-10

भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा

BHASHA VIGYAN EVAM HINDI BHASHA

CourseType	Course Code	Total ClassHours	TotalCredits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ35010	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों में भाषा के प्रति वैज्ञानिक दृष्टिकोण और भाषाई संरचना की समझ विकसित करना।
- भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं की मूल अवधारणाओं का ज्ञान कराना।
- विद्यार्थियों में ध्वनि, शब्द, वाक्य और अर्थ संबंधी विविध भाषिक तत्त्वों की पहचान और विश्लेषण की क्षमता उत्पन्न करना।
- हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, विकासात्मक प्रवृत्तियाँ और उसके सामाजिक-भाषिक विस्तार की जानकारी प्रदान करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• भाषा की संरचना और प्रकृति को समझ पाएंगे। • भाषा विज्ञान की विभिन्न शाखाओं का ज्ञान अर्जित करेंगे। • शब्द निर्माण और व्याकरणिक संरचना से विद्यार्थी अवगत होंगे ।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी भाषा प्रयोग, लिप्यंतरण और संप्रेषण कौशल में दक्ष होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- भाषा : परिभाषा, अभिलक्षण, भाषा परिवर्तन के कारण, भाषा और बोली
- भाषा विज्ञान : परिभाषा, अंग, प्रयोजनीयता, भाषा विज्ञान का अन्य शाखाओं से संबंध

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- ध्वनि विज्ञान : परिभाषा, वागीन्द्रियाँ, ध्वनि परिवर्तन के कारण एवं दिशाएं
- रूपिम विज्ञान : शब्द और रूप (पद), पद विभाग – नाम,आख्यात, उपसर्ग एवं निपात

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- वाक्य विज्ञान : वाक्य की परिभाषा, वाक्य के अनिवार्य तत्त्व, वाक्य के प्रकार
- अर्थ विज्ञान : शब्द और अर्थ का संबंध, अर्थ परिवर्तन के कारण और दिशाएं

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- हिन्दी भाषा : उद्भव एवं विकास
- हिन्दी की उपभाषाएँ एवं बोलियाँ

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				**सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)**
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1.भाषा विज्ञान, डॉ. भोलानाथ तिवारी, किताब महल, नई दिल्ली

2.भाषा विज्ञान एवं भाषा शास्त्र, डॉ. कपिलदेव द्विवेदी , विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

3. भाषा विज्ञान, श्यामसुंदर दास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. भाषा विज्ञान की भूमिका, डॉ.देवेंद्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन
5. आधुनिक भाषा-विज्ञान, डॉ. राजमणि शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. भाषा विज्ञान, डॉ. विजयपाल सिंह, संजय बुक सेंटर, वाराणसी
7. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा, डॉ लक्ष्मीकांत पांडेय और डॉ. प्रमिला अवस्थी, आशीष प्रकाशन
8. भाषा विज्ञान का रसायन, कैलाशनाथ पाण्डेय, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
9. भाषा विज्ञान: हिन्दी भाषा और लिपि, रामकिशोर शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
10. हिन्दी भाषा की संरचना, डॉ. भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. हिन्दी उद्भव, विकास और रूप, डॉ. हरदेव बाहरी, किताब महल, नई दिल्ली
12. भाषा विज्ञान एवं हिन्दी-भाषा, डॉ. राम छबीला त्रिपाठी, किताब महल, नई दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR-11

जनसंचार एवं पत्रकारिता

JANSANCHAR EWAM PARTKARITA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ35011	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- इस पत्र का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों को पत्रकारिता एवं जनसंचार के महत्त्वपूर्ण तत्त्वों से अवगत कराना।
- हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास से अवगत कराना।
- पत्रकारिता से जुड़े दायित्वों से अवगत कराना।
- वर्तमान समय में जनसंचार माध्यमों की उपयोगिता और महत्व से अवगत कराना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• पत्रकारिता की अवधारणा, उसके इतिहास और पत्रकारिता के महत्त्व को समझ पाएंगे। • हिन्दी पत्रकारिता के इतिहास का परिचय पाएंगे। • जनसंचार माध्यमों की वर्तमान समय में भूमिका को समझ पाएंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• पत्रकारिता एवं जनसंचार के विविध माध्यमों के लिए प्रयोग में लाई जाने वाली लेखन-प्रणाली और भाषा-शैली का विकास कर पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• पत्रकारिता एवं जनसंचार के क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर पाएंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई-1 **(15 घंटे)**

- संचार एवं जनसंचार : अवधारणा एवं तत्त्व (प्रेषक, संदेश, माध्यम, प्राप्तकर्ता), प्रकार
- विविध स्तर : अंतः वैयक्तिक संचार, अंतर-वैयक्तिक संचार, समूह संचार, सार्वजनिक संचार
- जनसंचार : अवधारणा, विविध आयाम, महत्त्वपूर्ण सिद्धांत, जनसंचार और प्रौद्योगिकी, उद्देश्य

इकाई-2 **(15 घंटे)**

- **जनसंचार माध्यम** : अवधारणा एवं महत्त्व
- **प्रकार** : मुद्रित माध्यम (समाचार व पत्रिकाएं, आदि), श्रव्य माध्यम (रेडियो, आदि), दृश्य-श्रव्य (टेलीविजन, सिनेमा, आदि), नव-माध्यम/बहुमाध्यम (वेबसाइड, ब्लॉग, व्लॉग, सोशल मीडिया, मोबाइल ऐप्स, कृत्रिम)
- जनसंचार माध्यम एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता : बहुआयामी उपलब्धियां एवं चुनौतियाँ

इकाई-3 **(15 घंटे)**

- पत्रकारिता : अवधारणा, तत्त्व, उद्देश्य
- प्रकार : मुख्यधारा की पत्रकारिता, व्यावसायिक पत्रकारिता, वैकल्पिक पत्रकारिता, स्वतंत्र पत्रकारिता, समाचारपत्र पत्रकारिता, सामुदायिक पत्रकारिता, नागरिक पत्रकारिता, खोजी पत्रकारिता, पीत पत्रकारिता, मोबाइल पत्रकारिता
- पत्रकारिता के कानूनी एवं नैतिक पहलू

इकाई -4 **(15 घंटे)**

हिन्दी पत्रकारिता :

- उद्भव और विकास : स्वातंत्र्य पूर्व, स्वातंत्र्योत्तर, आधुनिक पत्रकारिता, इंटरनेट युग में पत्रकारिता
- पत्रकारिता के विविध आयाम : साहित्यिक एवं साहित्येतर
- पत्रकारिता के सामाजिक-सांस्कृतिक सरोकार

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)
घटक	मध्यावधि परीक्षा	सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना	उपस्थिति	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी पत्रकारिता एवं जनसंचार, डॉ. ठाकुर दत्त शर्मा 'आलोक', वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. जनसंचार एवं पत्रकारिता, डॉ. रेशमा नदाफ़, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पत्रकारिता एवं जनसंचार- आधुनिक विधाएँ, डॉ. सुनील कुमार मिश्र, तेज प्रकाशन, नई दिल्ली
4. भारत में जनसंचार एवं पत्रकारिता, अवधेश कुमार यादव, हरियाणा ग्रंथ अकादमी, पंचकूला
5. जनसंचार और पत्रकारिता, डॉ. पूर्णिमा आर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी पत्रकारिता, कृष्ण बिहारी मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
7. हिन्दी पत्रकारिता का इतिहास, जगदीश प्रसाद चतुर्वेदी, प्रभात प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी पत्रकारिता का वृहद इतिहास, डॉ. अर्जुन तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
9. मीडिया: समकालीन सांस्कृतिक विमर्श, सुधीश पचौरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
10. समाचार पत्र प्रबंधन, गुलाब कोठारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
11. सूचना प्रौद्योगिकी और समाचार पत्र, रवीन्द्र शुक्ला, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
12. समाचार पत्रों की भाषा, माणिक मृगेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
13. मीडिया की बदलती भाषा, डॉ. अजय कुमार सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
14. प्रयोजनमूलक हिन्दी और जनसंचार, डॉ. राजेन्द्र मिश्र, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली
15. जनसंचार के सामाजिक संदर्भ, जवरीमल्ल पारख, अनामिका प्रकाशन, नई दिल्ली
16. नए जनसंचार माध्यम और हिन्दी, सुधीश पचौरी एवं अचला शर्मा, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR-12

हिन्दी नाटक एवं एकांकी

HINDI NATAK EWAM EKANKI

CourseType	Course Code	Total ClassHours	TotalCredits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ35012	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिन्दी नाटक एवं एकांकी की विकास और परंपरा की समझ विकसित करना।
- नाटक एवं एकांकी के माध्यम से भारतीय समाज, संस्कृति, परंपरा एवं समस्याओं को समझना।
- विद्यार्थियों में रंगमंचीय अभिव्यक्ति की रुचि एवं क्षमता को विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• नाटक एवं एकांकी की अवधारणा समझ पाएंगे। • नाटक एवं एकांकी की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• नाटक एवं एकांकी के बहुआयामी स्तर से विद्यार्थी अवगत होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **नाटक एवं एकांकी** : विधागत परिचय, उद्भव और विकास
- **अंधेर नगरी** : भारतेंदु हरिश्चंद्र

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **ध्रुवस्वामिनी** : जयशंकर प्रसाद

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **आषाढ़ का एक दिन :** मोहन राकेश

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **और वह जा न सकी :** विष्णु प्रभाकर
- **औरंगजेब की आखिरी रात :** रामकुमार वर्मा

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)
घटक	मध्यावधि परीक्षा	सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना	उपस्थिति	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. एकांकी और एकांकीकार, रामचरण महेंद्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. हिन्दी एकांकी, चन्द्रगुप्त विद्यालंकार, नेशनल बुक ट्रस्ट
3. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास, डॉ. दशरथ ओझा, राजपाल एंड संस, दिल्ली
4. हिन्दी एकांकी, सिद्धनाथ कुमार, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, दिल्ली

5. नाटककार भारतेन्दु की रंग-परिकल्पना, सत्येन्द्र तनेजा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
6. नए एकांकी, अज्ञेय, राजपाल एंड संस, दिल्ली
7. श्रेष्ठ एकांकी, विजयपाल सिंह, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
8. रामकुमार वर्मा एकांकी रचनावली, चंद्रिका प्रसाद शर्मा, किताब घर, नई दिल्ली
9. आधुनिक हिन्दी नाटक के पुरोधा मोहन राकेश, जगदेव कुमार शर्मा, लोक संस्कृति प्रकाशन, दिल्ली
10. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
11. बीसवीं शताब्दी का हिन्दी नाटक और रंगमंच, गिरीश रस्तोगी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
12. हिन्दी नाटक एवं एकांकी, डॉ. ऐश्वर्या झा, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
13. हिन्दी नाटक समाज और संवेदना के विविध आयाम, डॉ. सुरिन्द्रपाल कौर, कल्पना प्रकाशन

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

Minor – 5

हिन्दी साहित्य का इतिहास(सम्पूर्ण)

HINDI SAHITYA KA ITIHAS(SAMPOORN)

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ30003	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की अवधारणा एवं इतिहास-दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रवृत्तिमूलक, समसामयिक एवं वर्तमान अर्थवत्ता से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में बहुआयामी प्रश्नों की समझ विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• साहित्य के इतिहास को विद्यार्थी व्यावहारिक स्तर पर समझ पाएंगे। • साहित्य की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य के उद्देश्य और कार्यप्रणाली को समझना।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **आदिकाल** : समय सीमा, नामकरण, प्रमुख प्रवृतियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **भक्तिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **रीतिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **आधुनिककाल** : भारतेन्दुयुग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां
- हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				**सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)**
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन

4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली

5. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली

6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन

7. हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास, शर्मा, रामकिशोर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

8. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

9. हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल: रीतिकाल, कुमार, डॉ. महेंद्र , आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली

10. स्त्री की नजर में रीतिकाल, गर्ग, मुकेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

11. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन, वर्मा, डॉ. रामकुमार, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

षष्टम सत्र

SEMESTER-VI

MAJOR – 13

भारतीय काव्यशास्त्र

BHARTIYA KAVYASHASTRA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ36013	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- विद्यार्थियों को भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन प्रणाली से अवगत कराना।
- भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन प्रणाली के क्रमिक विकास को समझाना।
- भारतीय साहित्य के सैद्धांतिक आधारों को जानना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• भारतीय काव्यशास्त्र की अवधारणा को समझ पाएंगे। • भारतीय काव्य सिद्धांतों का ज्ञान अर्जित कर पाएंगे। • भारतीय ज्ञान परम्परा से परिचित हो पाएंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य के उद्देश्य और कार्यप्रणाली को समझना।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- काव्य लक्षण, काव्य हेतु, काव्य प्रयोजन।
- काव्य के प्रकार, काव्यगुण, काव्य-दोष।

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- रस सिद्धांत : अवधारणा, रस निष्पत्ति, रस के प्रकार, साधारणीकरण ।
- अलंकार सिद्धांत : अवधारणा, अलंकार और अलंकार्य, प्रकार (शब्दालंकार एवं अर्थालंकार)।

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- ध्वनि सिद्धांत : अवधारणा, ध्वनि का वर्गीकरण, ध्वनि काव्य के प्रकार (गुणीभूत व्यंग्य काव्य, चित्र काव्य)
- रीति सिद्धांत : अवधारणा, रीति के प्रकार ।

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- वक्रोक्ति सिद्धांत : अवधारणा, मूल स्थापनाएं, वक्रोक्ति के प्रकार।
- औचित्य सिद्धांत : अवधारणा, मूल स्थापनाएं, औचित्य के भेद ।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				**सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)**
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, तिवारी, रामचन्द्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
2. काव्यशास्त्र, मिश्र, डॉ. भागीरथ, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

3. भारतीय काव्य-शास्त्र के सिद्धान्त, सिंह, डॉ. राजकिशोर, प्रकाशन केन्द्र, लखनऊ
4. भारतीय काव्यशास्त्र : नई व्याख्या, त्रिपाठी, डॉ. राममूर्ति, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, इलाहाबाद
5. भारतीय काव्य-शास्त्र की परंपरा, डॉ. नगेन्द्र, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
6. हिन्दी काव्यशास्त्र का इतिहास, मिश्र, डॉ. भागीरथ, लखनऊ विश्वविद्यालय
7. भारतीय काव्यशास्त्र, सिंह, योगेन्द्र प्रताप, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR – 14

पाश्चात्य काव्यशास्त्र

PASHCHATYA KAVYASHASTRA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ36014	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- इस पत्र का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को पाश्चात्य काव्यशास्त्र संबंधी चिंतन प्रणाली के विकास से अवगत कराना।
- भारतीय काव्यशास्त्रीय चिंतन प्रणाली के बरक्स पाश्चात्य काव्यशास्त्रीय चिंतन प्रणाली के क्रमिक विकास को समझना।
- पाश्चात्य साहित्य के सैद्धांतिक आधारों को जानना।
- आधुनिक आलोचना की प्रवृत्तियों को पहचानना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• पाश्चात्य काव्यशास्त्र की अवधारणा समझ पाएंगे। • तुलनात्मक अध्ययन की पृष्ठभूमि तैयार कर पाएंगे । • पाश्चात्य काव्य सिद्धांतों का ज्ञान अर्जित कर पाएंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य के उद्देश्य और कार्यप्रणाली को समझना।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- प्लेटो- काव्य संबंधी मान्यताएं
- अरस्तू- अनुकृति एवं विरेचन का सिद्धांत

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- लोंजाइनस- काव्य में उदात्त की अवधारणा एवं तत्त्व
- वड्र्सवर्थ- काव्य भाषा का सिद्धांत

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- टी. एस. इलियट- परम्परा और वैयक्तिक प्रतिभा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत
- आई. ए. रिचड्र्स- मूल्य सिद्धांत, सम्प्रेषण सिद्धांत

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- स्वच्छंदतावाद
- मार्क्सवाद
- मनोविश्लेषणवाद
- आधुनिकतावाद
- उत्तर आधुनिकतावाद,

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				**सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)**
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, देवेन्द्रनाथ शर्मा, नेशनल पब्लिशिंग कंपनी, नई दिल्ली
2. पाश्चात्य साहित्य चिंतन, डॉ. निर्मला जैन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, जितेन्द्र नाथ मिश्र, विजय प्रकाशन मन्दिर (प्रा.) लिमिटेड, वाराणसी

4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र: इतिहास, सिद्धान्त और वाद, डॉ. भागीरथी मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र अधुनातन संदर्भ, सत्यदेव मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
6. पाश्चात्य काव्य चिंतन: आभिजात्यवाद से उत्तर आधुनिकतावाद तक, करुणाशंकर उपाध्याय, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र, बच्चन सिंह, प्रलेक प्रकाशन, गाजियाबाद
8. पाश्चात्य काव्यशास्त्र कोश, सत्यदेव मिश्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
9. हिन्दी आलोचना के बीज शब्द, डॉ. बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. हिन्दी आलोचना की पारिभाषिक शब्दावली, डॉ. अमरनाथ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. काव्य चिंतन की पश्चिमी परंपरा, निर्मला जैन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
12. यथार्थवाद, शिवकुमार मिश्र, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR – 15

कथेतर साहित्य

KATHETAR SAHITYA

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ36015	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- अभिव्यक्ति की सर्वाधिक विधाओं से अवगत कराना।
- विद्यागत पार्थक्य एवं अंत:संबंधों में अभिव्यक्ति के प्रभावशाली स्वरूप का बोध कराना।
- बहुआयामी सृजनात्मक बोध विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• कथेतर विधाओं की अंतर्वस्तु के स्वरूप से विद्यार्थी अवगत होंगे। • कथेतर विधाओं का तात्त्विक ज्ञान प्राप्त करेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• विद्यार्थी निजी लेखकीय व्यक्तित्व को बहुआयामी बना पाएंगे।
रोजगार संबंधी	• अध्यापन कार्य में प्रभावी अध्यापकीय व्यक्तित्व लाभ का अवसर प्राप्त करेंगे

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **कथेतर साहित्य** : सामान्य परिचय एवं महत्त्व
- **विविध विधाएं :** परिभाषा, अतःसंबंध एवं अंतर (मुख्य विधाएं : निबंध, व्यंग्य, संस्मरण, रेखाचित्र, यात्रा-वृत्तांत, साक्षात्कार, आत्मकथा, जीवनी एवं डायरी)

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **निबंध** : नाखून क्यों बढ़ते हैं : हजारी प्रसाद द्विवेदी
- **व्यंग्य** : विकलांग श्रद्धा का दौरा : हरिशंकर परसाई

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **संस्मरण** : तीस बरस का साथी : रामविलास शर्मा - अमृतलाल नागर
- **रेखाचित्र** : प्रथम भेंट : अंतिम भेंट : महादेवी वर्मा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **यात्रा-वृत्तांत** : सागर कन्या : खग शावक : अज्ञेय
- **आत्मकथा** : रे मन जाह, जहां तोहि भावे (कस्तूरी कुंडली बसै - पहला अध्याय) : मैत्रेयी पुष्पा

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी गद्य : प्रकृति और रचना संदर्भ, डॉ रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
2. हिन्दी गद्य : विन्यास और विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएं, कैलाश चंद्र भाटिया, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली

4. हिन्दी का गद्य साहित्य, रामचन्द्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
5. साहित्यिक विधाएं: पुनर्विचार, डॉ हरिमोहन, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
6. हिन्दी का कथेतर गद्य परम्परा और प्रयोग, सं. दयानिधि मिश्र, वाणी प्रकाशन
7. हिन्दी साहित्य का कथेतर गद्य-सर्जना, डॉ सुनील विक्रम सिंह, नमन प्रकाशन
8. कथेतर, सं. माधव हाड़ा, साहित्य अकादेमी प्रकाशन, दिल्ली

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MAJOR-16

अस्मितामूलक विमर्श

ASMITAMULAK VIMARSH

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMAJ36016	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- इस पत्र का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थियों में विमर्श के प्रति रुचि और संवेदनशीलता विकसित करना है।
- विमर्श आधारित साहित्य के माध्यम से भाषा की विविधता, शैली, शब्दावली और व्याकरण की समझ को बढ़ाना।
- अस्मितामूलक विमर्शों के माध्यम से स्त्री, दलित और आदिवासी की परंपरा, संस्कृति, सामाजिक समस्याओं को समझना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• विमर्श की अवधारणा समझ पाएंगे। • स्त्री, दलित और आदिवासी विमर्श की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे। • विभिन्न विमर्शों पर आधारित साहित्य से परिचित हो सकेंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• अस्मितामूलक विमर्श के बहुआयामी स्तर से विद्यार्थी अवगत होंगे।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **अस्मितामूलक विमर्श** : अस्मिता बोध, स्वानुभूति बनाम सहानुभूति, विमर्श का स्वरूपगत महत्त्व
- विविध आंदोलन : स्त्री, दलित , आदिवासी

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **स्त्री विमर्श :** स्त्री-अस्मिता के सवाल और सशक्तिकरण (आत्मनिर्भरता, आरक्षण एवं बाज़ार)
- **कहानी** : खुदा की वापसी : नासिरा शर्मा
- **निबंध** : घर और बाहर : महादेवी वर्मा

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **दलित विमर्श** : दलित अस्मिता एवं आन्दोलन, फुले और अंबेडकर, दलित आरक्षण
- **कहानी** सलाम : ओमप्रकाश वाल्मीकि
- **कविता** : भेद दृष्टि : अनिता भारती

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **आदिवासी विमर्श**: अस्मिता के सवाल, आदिवासी आन्दोलन और बिरसा मुंडा, वाचिक साहित्य
- **उपन्यास** : ग्लोबल गाँव का देवता : रणेंद्र
- **कविता** : नदी, पहाड़ और बाजार- जसिंता केरकेट्टा

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				**सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)**
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. अंबेडकरः सम्पूर्ण वाङ्मय. खण्ड-1

2. एजुकेशन डिपार्टमेंट.सोर्स मेटेरियल ऑन डॉ. बाबा साहेब अंबेडकर एंड दी मूवमेंट ऑफ अनटचेबिल्स. वाल्यूम-1, गवर्नमेंट ऑफ महाराष्ट्र
3. आलेख- नैतिकता का कुपाठ और दलित आत्मकथाएँ, (सं.) जयप्रकाश कर्दम, दलित साहित्य वार्षिकी-2006. अकादमिक प्रतिभा, 2006.
4. आधुनिकता के आइने में दलित, (सं.) अभय कुमार दुबे, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
5. अंबेडकर और समाज-व्यवस्था, कृष्ण दत्त पालिवाल, किताब घर,
6. दलित चेतना के आधार स्तम्भ, पी.ए. परमार, गाँधी कुटीर
7. दलित राजनीति की समस्याएँ, (सं.) राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. दलित साहित्य का सौन्दर्य शास्त्र, ओम प्रकाश वाल्मिकी, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
9. स्त्री लेखन स्वपन और संकल्प, रोहिणी अग्रवाल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. स्त्रीत्व का मानचित्र, अनामिका, सारांश प्रकाशन
11. आम औरतः जिंदा सवाल, सुधा अरोड़ा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
12. स्त्री मुक्ति संघर्ष और इतिहास, रमणिका गुप्ता, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
13. स्त्रीवादी साहित्य विमर्श, जगदीश्वर चतुर्वेदी, अनामिका पब्लिशर्स एन्ड डिस्ट्रीब्यूटर्स प्रा. लिमिटेड
14. परिधि पर स्त्री, मृणाल पाण्डे, राधा कृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
15. आदमी की निगाह में औरत, राजेन्द्र यादव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
16. स्त्री-पुरुषः कुछ पुनर्विचार, राजकिशोर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
17. मात्र देह नहीं है औरत, मृदुला सिन्हा, सामयिक प्रकाशन, दिल्ली
18. वाचिकता, वंदना टेटे, राधाकृष्ण पेपरबैक्स, नई दिल्ली
19. आदिवासी विमर्श अवधारणा और आन्दोलन, कुमार कमलेश, तेज प्रकाशन,
20. आदिवासी चिंतन की भूमिका, गंगा सहाय मीणा, अनन्य प्रकाशन, दिल्ली
21. आदिवासी दर्शन और समाज, हरिराम मीणा, राजस्थान हिन्दी ग्रन्थ अकादमी, जयपुर
22. अस्मितामूलक विमर्श और हिन्दी साहित्य, डॉ मन्दाकिनी मीणा, श्री नटराज प्रकाशन
23. हिन्दी साहित्य और अस्मितामूलक विमर्श, किरण तिवारी, आनंद प्रकाशन
24. दलित साहित्य का सौन्दर्यशास्त्र, ओमप्रकाश वाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाशन
25. अस्मितामूलक हिन्दी साहित्य, सं. नीतू गुप्त, श्री नटराज प्रकाशन

SYLLABUS FOR B.A. HINDI (FYUGP) UNDER NEW CURRICULUM AND CREDIT FRAMEWORK, 2022

MINOR – 6

हिन्दी साहित्य का इतिहास (सम्पूर्ण)

HINDI SAHITYA KA ITIHAS (SAMPOORN)

Course Type	Course Code	Total Class Hours	Total Credits	Components	
				Lecture	Tutorial
MAJ(Theory)	UHINMIN30003	60	4	3	1

पाठ्यक्रम के उद्देश्य (Course Objectives):

- हिन्दी साहित्य के इतिहास की अवधारणा एवं इतिहास-दृष्टि से विद्यार्थियों को अवगत कराना।
- हिन्दी साहित्य के इतिहास की प्रवृत्तिमूलक, समसामयिक एवं वर्तमान अर्थवत्ता से परिचित कराना।
- विद्यार्थियों में बहुआयामी प्रश्नों की समझ विकसित करना।

अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes):

ज्ञान संबंधी	• साहित्य के इतिहास को विद्यार्थी व्यावहारिक स्तर पर समझ पाएंगे। • साहित्य की वस्तुगत ही नहीं, उद्देश्यपरक औचित्य से परिचित होंगे।
कौशल दक्षता संबंधी	• साहित्य के उद्देश्य और कार्यप्रणाली को समझना।
रोजगार संबंधी	• विद्यार्थी शिक्षण-सामर्थ्य अर्जित करेंगे।

पाठ्यक्रम की अंतर्वस्तु

इकाई – 1 **(15 घंटे)**

- **आदिकाल** : समय सीमा, नामकरण, प्रमुख प्रवृतियाँ, सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो काव्य, लौकिक काव्य

इकाई – 2 **(15 घंटे)**

- **भक्तिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, संत काव्य, सूफी काव्य, रामकाव्य, कृष्णकाव्य

इकाई – 3 **(15 घंटे)**

- **रीतिकाल :** सामान्य परिचय, प्रमुख प्रवृतियाँ, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त काव्यधारा

इकाई – 4 **(15 घंटे)**

- **आधुनिककाल** : भारतेन्दुयुग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद : सामान्य परिचय एवं प्रवृत्तियां
- हिन्दी गद्य विधाओं का उद्भव और विकास : उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध।

मूल्यांकन/ परीक्षा योजना

सतत् मूल्यांकन				सत्रांत परीक्षा (निर्धारित समय: 2.5 घंटे)
घटक	**मध्यावधि परीक्षा**	**सेमिनार-पत्र प्रस्तुति/ परियोजना**	**उपस्थिति**	
निर्धारित अंक	05	05	05	
पूर्णांक (75)	15			60

अनुशंसित ग्रंथ :

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास, आचार्य रामचंद्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य का इतिहास, सं. डॉ. नगेन्द्र, मयूर बुक्स, नई दिल्ली
3. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास, रामकुमार वर्मा, लोकभारती प्रकाशन

4. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास, बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका, हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य और संवेदना का विकास, रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन
7. हिन्दी साहित्य का समग्र इतिहास, शर्मा, रामकिशोर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी साहित्य का संक्षिप्त इतिहास, वार्ष्णेय, लक्ष्मीसागर, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
9. हिन्दी साहित्य का उत्तर मध्यकाल: रीतिकाल, कुमार, डॉ. महेंद्र , आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली
10. स्त्री की नजर में रीतिकाल, गर्ग, मुकेश, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
11. रीतिकालीन साहित्य का पुनर्मूल्यांकन, वर्मा, डॉ. रामकुमार, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयाग